माई सिटी

हिन्दी दैनिक

लखनऊ, शुक्रवार

अपोलोमेडिक्स हॉस्पिटल लखनऊ ने शुरू किया कॉम्प्रिहेंसिव लीवर डिजी

क्लिनिक लीवर और एचपीबी सर्जरी में मिलेगा विशेषज्ञ मार्गदर्शन

लीवर ट्रांसप्लांट में 95: सफलता दर के साथ 2X47 विशेषज्ञ टीम अब यूपी और नजदीकी राज्यों के लीवर मरीजों के लिए भरोसेमंद मार्गदर्शन

माई सिटी

'लखनऊ, 'अपोलोमेडिक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, लखनऊ ने लीवर ट्रांसप्लांट और हेपेटो–पैंक्रिएटो–बिलियरी (एचपीबी) सर्जरी के लिए एक विशेष "कॉम्प्रिहेंसिव लीवर डिजीज क्लिनिक" की शुरुआत की है। इस क्लिनिक में लिवर ट्रांसप्लांट टीम के रूप में शामिल हैंरू डॉ. अभिषेक यादव, सीनियर डायरेक्टर और एचओडी– लीवर ट्रांसप्लांट एवं एचपीबी सर्जरी; डॉ.राजीव रंजन सिंह, डायरेक्टर गैस्ट्रोएंटरोलॉजी; डॉ. जयेन्द्र शुक्ला, कंसल्टेंट गैस्ट्रोएंटरोलॉजी; और डॉ. उत्कर्ष श्रीवास्तव, कंसल्टेंट लीवर ट्रांसप्लांट एवं गैस्ट्रो सर्जन। अत्यंत कुशल डॉक्टर्स की टीम के निर्देशन में चलने वाली यह क्लीनिक गंभीर लीवर रोग और जटिल सर्जिकल निर्णयों के मामलों में मरीजों और उनके परिवारों के लिए भरोसेमंद मार्गदर्शन प्रदान करेगा। इस क्लिनिक की शुरुआत करते हुए डॉ. अभिषेक यादव, सीनियर डायरेक्टर व हेड –लीवर ट्रांसप्लांट एवं एचपीबी सर्जरी, ने कहा, "भारत में हर साल 2.5 से 3 लाख लोग लीवर रोग और लीवर सिरोसिस के कारण अपनी जान गंवा देते हैं। लीवर रोग अब भारत में मृत्यु का 8वां सबसे आम कारण बन चुका है, जबकि 10 साल पहले यह 10वें स्थान पर था। भारत में सालाना केवल 2500ृ3000 लीवर ट्रांसप्लांट ही होते हैं, जो कि वास्तविक ज़रूरत का केवल 1ृ2 फीसदी ही है। फैटी लीवर डिजीज तेजी से बढ़ रही है और भारत की 30–35 फीसदी आबादी इससे प्रभावित है, कुछ क्षेत्रों में यह संख्या 50 फीसदी तक पहुँच चुकी है। उत्तर प्रदेश की आबादी जो कि भारत की लगभग 17 फीसदी आबादी का हिस्सा है, में करीब 50,000–60,000 लोग हर साल लीवर रोगों के कारण मौत के मुंह में चले जाते हैं, लेकिन केवल 200–250 लीवर ट्रांसप्लांट ही सालाना हो पाते हैं और ये ज्यादातर एनसीआर क्षेत्र में होते हैं। पूरे राज्य में केवल चार लीवर ट्रांसप्लांट सेंटर हैं, जबकि तमिलनाडु में 42, महाराष्ट्र में 36, दिल्ली एनसीआर में 35, कर्नाटक में 25 और केरल में 19 सेंटर हैं। ऐसे में ज्यादातर मरीजों को अन्य राज्यों का रुख करना पड़ता है, जिससे इलाज की लागत बढ़ जाती है और पोस्ट–ट्रांसप्लांट फॉलो–अप कठिन हो जाता है। इस लीवर डिजीज क्लिनिक का उद्देश्य मरीजों और उनके परिवारों को हर जटिल लीवर समस्या में स्पष्ट और भरोसेमंद जानकारी देना है। चाहे वह लीवर ट्रांसप्लांट का निर्णय हो या जटिल पेट सम्बंधित सर्जरी, हमारा क्लिनिक मरीजों को विशेषज्ञ मार्गदर्शन और समझ देने का काम करता है ताकि वे अपने इलाज के विकल्पों को आत्मविश्वास के साथ चुन सकें। यह क्लिनिक उत्तर प्रदेश ही नहीं बिहार, झारखण्ड, और नेपाल के मरीजों के लिए एक स्थायी और भरोसेमंद संसाधन बनेगा।" डॉ. मयंक सोमानी, एमडी एंड सीईओ अपोलोमेडिक्स सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल ने कहा, "अपोलोमेडिक्स लखनऊ प्राइवेट सेक्टर में यूपी में लीवर ट्रांसप्लांट शुरू करने वाला पहला केंद्र है। हॉस्पिटल की अनुभवी विशेषज्ञों की टीम पूरी तरह से इन–हाउस है, 24•7 उपलब्ध है और इसके द्वारा किए गए ट्रांसप्लांट की सफलता दर 95 फीसदी से अधिक है। अपोलो का देशभर में 75 से अधिक अस्पतालों का नेटवर्क कॉम्प्रिहेंसिव लीवर डिजीज क्लिनिक और रिमोट कंसल्टेशन को हर कोने तक संभव बनाता है। डॉ. अभिषेक यादव, सीनियर डायरेक्टर व हेड –लीवर ट्रांसप्लांट एवं एचपीबी सर्जरी, इस क्लिनिक का नेतृत्व करेंगे। डॉ. यादव ने अब तक 2000 से अधिक सफल लीवर ट्रांसप्लांट और 4000 से अधिक जटिल एचपीबी एवं जीआई सर्जरी की हैं। उनके पास 19 वर्षों का समृद्ध क्लिनिकल अनुभव है उन्होंने बुर्जील अस्पताल अबू धाबी, इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल नई दिल्ली, नारायणा हॉस्पिटल बेंगलुरु, केयर हॉस्पिटल हैदराबाद, वीपीएस लेकशोर हॉस्पिटल कोच्चि और ज्यूपिटर हॉस्पिटल मुंबई एवं पुणे जैसी प्रतिष्ठित संस्थ
कार्य किया है। साथ ही उन्हों
प्रदेश में पहला कैडे
मल्टीऑर्गन ट्रांसप्लांट, मध्य
में पहला लिविंग डोनर क
लिवर और किडनी ट्रांसप्लां
5 महीने के छोटे बच्चे का
लिवर ट्रांसप्लांट किया है जो
आप में एक कीर्तिमान है लीव
के मामलों में सही निर्णय
विशेषज्ञ सलाह जीवन
सकती है। हमारे कॉम्प्रि
लीवर डिजीज क्लिनिक के
हम मरीजों को न केवल
इलाज समझने में मदद
बल्कि उन्हें सुरक्षित और भर
उपचार विकल्प भी सुझा
लखनऊ अब यूपी और आ
के राज्यों के लिए तेजी से
हुआ मेडिकल हब बन रहा है
में अपोलोमेडिक्स का कॉम्प्रि
लीवर डिजीज क्लिनिक मरी
जीवन–बचाने वाले निर्णय
मददगार और भरोसेमंद सं
साबित होगा।